# उत्तर प्रदेश सरकार ने नोएडा में उत्पाद आधारित ली–आयन सेल उत्कृष्टता केन्द्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) की स्थापना को किया अनुमोदित

- ***"उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना से इसके समीप बड़ी संख्या में स्टार्टअप तथा सूक्ष्म, लधु एवं मध्यम उद्यमों को बड़े पैमाने पर बाजार हेतु इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के उत्पादन के लिए प्रोटोटाइप चरण तक महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारी उपलब्ध होगी।"***
- ***"उत्कृष्टता केन्द्र में प्रदेश सरकार इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के डिप्लोमा धारकों, आईटीआई, बी.एससी. व एम.एससी. उत्तीर्ण युवाओं को 'सर्टिफिकेशन इन्जीनियर्स' के रूप में नामित कर सकती है, जिससे रोज़गार के अवसरों का सृजन होगा।"***

–डॉ. दिनेश शर्मा, मा. उप मुख्यमंत्री, उ.प्र.

- ***सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार तथा इण्डियन सेल्यूलर एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के सहयोग से की जाएगी।***
- ***इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी मॉनिटरिंग प्रणाली, सौर प्रणाली बैटरी पैक, जीपीएस नेविगेशन प्रणाली, ट्रेनों और बसों के लिए टिकट वेंडिंग मशीन, पावर बैंक, ब्लूटूथ स्पीकर, चार्जर, स्मार्ट लाइटिंग सिस्टम, आदि के उच्च श्रेणी के विनिर्माण को मिलेगा प्रोत्साहन।***
- ***नया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस राज्य में पावर बैंकों और भारतीय मोबाइल हैंडसेटों के डिजाइन और विकास केंद्र के लिए उत्कृष्ट पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में सहायता करेगा।***

**लखनऊ, 03 दिसम्बर, 2020:**

राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक और उल्लेखनीय कदम उठाते हुए **उत्तर प्रदेश सरकार के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा नोएडा में उत्पाद आधारित ली–आयन सेल्स (Li-ion Cells) हेतु एक उत्कृष्टता केन्द्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) की स्थापना को सैद्धान्तिक अनुमोदन प्रदान कर दिया है।** उत्तर प्रदेश भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी क्षेत्र के अग्रणी निर्माताओं और निर्यातकों में से एक है।

**मा. उप मुख्यमंत्री, उ.प्र. तथा मा. मंत्री, आइटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा** कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना से इसके समीप बड़ी संख्या में स्टार्टअप तथा सूक्ष्म, लधु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को बड़े पैमाने पर बाजार हेतु इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के उत्पादन के लिए प्रोटोटाइप चरण तक महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारी उपलब्ध होगी। **उन्होंने कहा** कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में प्रदेश सरकार इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के डिप्लोमा धारकों, आईटीआई, बी.एससी. व एम.एससी. उत्तीर्ण युवाओं को 'सर्टिफिकेशन इन्जीनियर्स' के रूप में नामित कर सकती है, जिससे रोज़गार के अवसरों का सृजन होगा।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के महत्व को रेखांकित करते हुए, **अपर मुख्य सचिव, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, श्री आलोक कुमार ने कहा** कि राज्य की इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण नीति–2020 में इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एण्ड मैन्यूफैक्चरिंग (ई.एस.डी.एम.) में अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्टता केंद्रों के रूप में विश्व–स्तरीय अवस्थापना सुविधाओं की स्थापना की जानी है।

**अपर मुख्य सचिव ने कहा–** *"नोएडा में पूर्व से स्थापित अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र की उपलब्धता के दृष्टिगत् इण्डियन सेल्यूलर एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) ने नोएडा में उत्पाद आधारित ली–आयन सेल्स (पोस्ट सेल) हेतु सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसे राज्य सरकार द्वारा सैद्धांतिक अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है, भारत सरकार से स्वीकृति मिलते ही इसकी स्थापना का कार्य प्रारम्भ हो जाएगा, जिसके शीघ्र ही मिलने की सम्भावना है।"*

**श्री आलोक कुमार ने बताया** कि नीति के अन्तर्गत भारत सरकार तथा औद्योगिक संघों के सहयोग से राज्य में 3 (तीन) सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने का लक्ष्य है। उत्तर प्रदेश सरकार परियोजना की लागत का 25 प्रतिशत् वहन करेगी, जबकि 75 प्रतिशत् लागत भारत सरकार और औद्योगिक संघों द्वारा वहन की

जाएगी। प्रस्ताव में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस हेतु भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार से तीन वर्षों में अपेक्षित धनराशि क्रमशः रु. 9.04 करोड़ और रु. 3.01 करोड़ है, जबकि औद्योगिक संघ–आईसीईए का योगदान 5.36 करोड़ रुपये होगा।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित होने से उच्च गुणवत्ता के ली–आयन सेल आधारित उत्पादों के विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा, जैसे– इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी मॉनीटरिंग प्रणाली (क्षमता की आवश्यकता के आधार पर), सौर प्रणाली बैटरी पैक, जीपीएस नेविगेशन प्रणाली, ट्रेनों और बसों के लिए टिकट वेंडिंग मशीन, पावर बैंक, ब्लूटूथ स्पीकर, चार्जर, स्मार्ट लाइटिंग सिस्टम, चार्जर, वायरलेस चार्जर, रेडियो, यूपीएस सिस्टम, राउटर्स, साउंटीमीटर (किसी विशेष ध्वनि के साथ धनराशि स्थानांतरण) आदि।

नया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस उत्तर प्रदेश में पावर बैंक और भारतीय मोबाइल हैंडसेट के लिए डिजाइनिंग और डेवलपमेंट हब के लिए उत्कृष्ट पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में सहायता करेगा। ज्ञात हो कि नोएडा भारत में एक प्रमुख मोबाइल फोन मैन्यूफैक्चरिंग केंद्र है। उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना के परिणामस्वरूप स्वदेशी एवं वैश्विक आवश्यकताओं के लिए मानकीकरण और परीक्षण सुविधा के साथ ही लगभग 100 लघु एवं मध्यम उद्यमों को प्रोत्साहन प्रदान करेगा, जिससे 5,000–7,000 रोजगार के अवसरों के सृजन की सम्भावना है।

---------------------